vinetur

रोन वाइन रणनीति 2035 तक तय करने के लिए व्यापक क्षेत्रीय सम्मेलन की तैयारी में Inter Rhône

Samuel Montgermont ने मंदी को संरचनात्मक संकट बताया और वितरकों, बैंकों व स्थानीय प्रशासन को रणनीति तय करने की प्रक्रिया में शामिल करने की मांग की।

शुक्रवार, 13 नवंबर 2026



रोन घाटी के वाइन उद्योग का व्यापारिक संगठन Inter Rhône, 2035 तक की रणनीति तय करने के उद्देश्य से व्यापक परामर्श की तैयारी कर रहा है। इसके नए अध्यक्ष ने कहा है कि इस क्षेत्र को उस संकट के अनुरूप ढलना होगा, जिसे उन्होंने संरचनात्मक बताया।

हाल में Inter Rhône के अध्यक्ष बने Samuel Montgermont ने मंगलवार, 10 नवंबर को कहा कि संगठन जल्द से जल्द états généraux आयोजित करने की योजना बना रहा है। फ्रांस में इस नाम से पहचानी जाने वाली यह व्यापक क्षेत्रीय बैठक साझा योजना पर चर्चा के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के हितधारकों को एक साथ लाएगी। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य रोन की अंगूर-खेती के लिए “2035 तक की दृष्टि तैयार करना” है।

Montgermont ने कहा कि इस प्रक्रिया में कृषि मंडलों, स्थानीय सरकारों, सरकारी सेवाओं और बैंकों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वितरक इस प्रयास में केंद्रीय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा, "बड़े खुदरा कारोबार के बिना हम अनुबंध नहीं कर पाएंगे।" उनके मुताबिक, अधिक स्थिर व्यावसायिक प्रतिबद्धताएं हासिल करने के लिए क्षेत्र को बाजार के अगले चरण के खरीदारों की भागीदारी चाहिए।

यह पहल फ्रांस के वाइन क्षेत्रों पर बढ़ते दबाव को दर्शाती है। उत्पादक कुछ बाजारों में कमजोर मांग, खपत के बदलते तौर-तरीकों, कीमतों पर दबाव और व्यापक वित्तीय तंगी का सामना कर रहे हैं। Montgermont ने कहा कि रोन में होने वाली बातचीत का उद्देश्य क्षेत्र की आर्थिक मजबूती बहाल करने के लिए जरूरी बदलावों की पहचान करना होगा।

Inter Rhône की योजना केवल व्यापक नीतिगत चर्चा तक सीमित नहीं है। संगठन उत्पादन और विपणन से जुड़े फैसलों में मदद के लिए बेहतर आर्थिक विश्लेषण के साधन भी चाहता है। घोषित लक्ष्य क्षेत्र को अधिक अनुबंध-आधारित व्यवस्था की ओर ले जाना है। फ्रांस में इस शब्द का इस्तेमाल उत्पादकों और खरीदारों के बीच लंबी अवधि के आपूर्ति समझौतों के लिए व्यापक रूप से किया जाता है।

इस दृष्टिकोण का असर रोन के अंगूर उत्पादकों से कहीं आगे तक हो सकता है। यदि क्षेत्र उत्पादकों, वितरकों और वित्तीय संस्थानों को अनुबंधों और बाजार के संकेतों के आधार पर एकजुट कर पाता है, तो इससे वाइन आपूर्तिकर्ताओं को अधिक सुरक्षित बिक्री-माध्यम मिल सकते हैं, कीमतें तय करने की प्रक्रिया बेहतर हो सकती है और पेय आपूर्ति शृंखला के एक हिस्से की लाभप्रदता को सहारा मिल सकता है। खुदरा विक्रेताओं और थोक कारोबारियों को भी अधिक औपचारिक समझौतों से मात्रा और स्रोतों के बारे में बेहतर पूर्वानुमान मिल सकता है।

Montgermont की टिप्पणियां राष्ट्रीय स्तर पर पहले दी गई सिफारिशों से मेल खाती हैं। अक्टूबर 2025 में, अंगूर-खेती के भविष्य पर फ्रांस की सीनेट के एक सूचना मिशन ने अनुबंधों के जरिये बाजार के अगले चरण के खरीदारों से अधिक मजबूत प्रतिबद्धताएं हासिल करने के लिए पूरे क्षेत्र की बैठकें बुलाने की मांग की थी। सांसदों ने कहा कि लक्ष्य वास्तविक अग्रिम मूल्य निर्धारण की दिशा में बढ़ना और उत्पादकों के लिए बिक्री के माध्यमों को लंबे समय तक सुरक्षित करना होना चाहिए।

सीनेट की यह बात फ्रांस की वाइन इंडस्ट्री में चल रही मौजूदा बहस के केंद्र में है। कई उत्पादकों का कहना है कि बाजार का ज्यादातर जोखिम उन्हीं पर आता है, जबकि अंतिम कीमतों पर उनका प्रभाव बहुत कम होता है। अधिक औपचारिक अनुबंध व्यवस्था का उद्देश्य व्यावसायिक प्रक्रिया के शुरुआती चरण में ही उत्पादन, मात्रा और कीमतों की अपेक्षाओं को जोड़कर इस असंतुलन को कम करना है।

रोन घाटी के लिए यह चुनौती खास तौर पर अहम है, क्योंकि इस क्षेत्र में उत्पादकों और अपीलासियों की व्यापक विविधता है। यहां सुपरमार्केट के जरिये बिकने वाली बड़ी मात्रा की वाइन से लेकर विशेषज्ञ चैनलों और निर्यात बाजारों में बेचे जाने वाले अधिक मूल्यवान लेबल तक शामिल हैं। इन सभी हितों को एक साथ लाना मुश्किल हो सकता है, खासकर तब जब उद्योग से उत्पादन की मात्रा, विपणन के तरीकों और जोखिम के बंटवारे पर सहमति की अपेक्षा हो।

Montgermont ने वाइन पर्यटन को भी अपनी कार्ययोजना के केंद्र में रखा है। उन्होंने ओएनोटूरिज्म को क्षेत्र को अधिक आकर्षक बनाने और रोन की वाइन के इर्द-गिर्द अतिरिक्त मूल्य सृजित करने का रणनीतिक साधन बताया। इस पेशकश को व्यवस्थित और बढ़ावा देने के लिए एक नया चरण प्रस्तावित है, जिसमें वाइन और पर्यटन क्षेत्र के पेशेवरों के बीच अधिक सहयोग होगा।

इस महत्वाकांक्षा में Institut Rhône Oenotourisme की स्थापना की योजना भी शामिल है। इसका उद्देश्य पहलों का समन्वय करना, पेशेवरों को सहयोग देना और क्षेत्र की वाइन पर्यटन पेशकश को अधिक पहचान दिलाना होगा। संस्थान कैसे काम करेगा, इस बारे में अभी बहुत कम जानकारी सार्वजनिक हुई है। हालांकि, यह प्रस्ताव संकेत देता है कि Inter Rhône केवल बोतलों की बिक्री से आगे बढ़कर आय के स्रोतों में विविधता लाना और उपभोक्ताओं के साथ संबंध मजबूत

करना चाहता है।

अनुबंध व्यवस्था और वाइन पर्यटन को साथ रखने से पता चलता है कि Inter Rhône कारोबारी चुनौती के दोनों पहलुओं पर ध्यान दे रहा है : तात्कालिक आर्थिक मजबूती और लंबी अवधि की मांग। एक ओर, वह बाजार को बेहतर ढंग से व्यवस्थित करना और बिक्री के लिए मजबूत गारंटी चाहता है। दूसरी ओर, वह क्षेत्र और उसकी वाइन के प्रति आकर्षण बढ़ाने वाले नए माध्यम तैयार करने की कोशिश कर रहा है।

états généraux की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। लेकिन Inter Rhône का संदेश है कि प्रक्रिया जल्द शुरू होगी और इसमें अंगूर के बागों तथा वाइनरी से कहीं अधिक व्यापक दायरे के लोगों को शामिल करने का इरादा है। बैंकों, सार्वजनिक प्राधिकरणों और वितरकों को साथ लाकर संगठन यह संकेत देता दिख रहा है कि रोन वाइन क्षेत्र की मुश्किलों को अब केवल उत्पादकों का मामला नहीं, बल्कि ऐसा व्यापक आर्थिक मुद्दा माना जा रहा है जिसका असर क्षेत्र के पेय कारोबार, स्थानीय निवेश और व्यावसायिक स्थिरता पर पड़ता है।